Series S3QRP/3

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **2/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है ।* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ*** *में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब*** *में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

मैं कब कहता हूँ जग मेरी दुर्धर गति के अनुकूल बने,
मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नंदन-कानन का फूल बने ?
काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,
मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

मैं कब कहता हूँ मुझे युद्ध में कहीं न तीखी चोट मिले ?
मैं कब कहता हूँ प्यार करूँ तो मुझे प्राप्ति की ओट मिले ?
मैं कब कहता हूँ विजय करूँ मेरा ऊँचा प्रासाद बने ?
या पात्र जगत की श्रद्धा की मेरी धुँधली-सी याद बने ?

पथ मेरा रहे प्रशस्त सदा क्यों विकल करे यह चाह मुझे ?
नेतृत्व न मेरा छिन जावे क्यों इसकी हो परवाह मुझे ?
मैं प्रस्तुत हूँ चाहे मेरी मिट्टी जनपद की धूल बने –
फिर उस धूली का कण-कण भी मेरा गति-रोधक शूल बने !

(i) मैं कब कहता हूँ – पंक्ति में 'कब' क्या इंगित करता है ?

(A) सदैव निराकांक्षी
(B) सदैव आकांक्षी
(C) सदैव अभिलाषी
(D) सदैव अस्थिर

(ii) संसार के विषय में कवि का क्या विचार है ?

(A) संसार उसकी गति से चले
(B) संसार तीव्र गति से चले
(C) संसार धीमी गति से चले
(D) संसार अपनी गति से चले

(iii) "वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने" से कवि का तात्पर्य है :

(A) जीवन से विपत्तियों का समाप्त हो जाना
(B) काँटों का फूलों की शरण में चले जाना
(C) विपत्तियों का सुखद परिस्थितियों में ढल जाना
(D) काँटे का कोमल फूल के रूप में बदल जाना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) कवि के अनुसार जीवन की सार्थकता क्या है ?

(A) संघर्ष एवं दुखों से लड़ने में

(B) सुख एवं सुविधाजनक स्थिति में

(C) परस्पर ईर्ष्या-द्वेष में

(D) शक्ति प्रदर्शन एवं नेतृत्व में

(v) स्तंभ–I को स्तंभ–II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	जीवन-मरु	(i)	सुखद परिस्थितियाँ
2.	नंदन-कानन	(ii)	विपरीत परिस्थितियाँ
3.	गति-रोधक	(iii)	उत्तरोत्तर उन्नति में बाधक

विकल्प :

(A) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(B) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

(C) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

(D) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

सुचारित्र्य के दो सशक्त स्तम्भ हैं – प्रथम – सुसंस्कार और द्वितीय – सत्संगति । सुसंस्कार जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है । जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है, ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है । सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कर्मों के लिए प्रेरित करते हैं । परिणामत: सुचरित्र का निर्माण होता है । आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है – "महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था मानो भीतर का देवता जाग गया हो ।"

वस्तुत: चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है । चरित्रवान व्यक्ति ही समाज की शोभा है, शक्ति है । सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं, समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है । विदुर जी की उक्ति अक्षरश: सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही वंश परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं पर चरित्र-निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है । आनुवंशिक परंपरा, परिवेश और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं पर उसका अर्जन नहीं कर सकते; वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता । व्यक्ति-विशेष के शिथिल चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है । अनेक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार, अनेक परिवारों से एक कुल, अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज-समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र बनता है । आज जब लोग राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात करते हैं, तब वे स्वयं उस राष्ट्र के आचरक घटक हैं – इस बात को विस्मृत कर देते हैं ।

(i) "सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है ।" पंक्ति में रेखांकित पद का आशय हो सकता है :

(A) विलक्षण विचार
(B) विलक्षण वैभव
(C) विलक्षण भाव
(D) विलक्षण विवेक

(ii) सुचारित्र्य के सशक्त स्तम्भ हैं :

(A) संपत्ति और सुसंस्कार
(B) सत्संगति और आनुवंशिकता
(C) सुसंस्कार और परिवेश
(D) सुसंस्कार और सत्संगति

(iii) संदर्भ के अनुसार गद्यांश में 'कालुष्य' शब्द का सटीक अर्थ क्या हो सकता है ?

(A) दोष
(B) कालिमा
(C) लघुता
(D) प्रभास

(iv) गद्यांश के अनुसार सतत सत्संगति से क्या प्राप्त होता है ?

(A) निर्माण को नई दिशा
(B) भ्रमण करने का मार्ग
(C) विचारों को नई दिशा
(D) विचरण करने का मार्ग

(v) गद्यांश में 'भीतर का देवता' कथन किस बात की ओर संकेत करता है ?

(A) ईश्वर का आभास
(B) दिव्यगुणों का आभास
(C) सत्य का आभास
(D) परिवेश का आभास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vi) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

कथन I : शिथिल चरित्र से ही जीवन सार्थक है ।

कथन II : शिथिल चरित्र से ही राष्ट्र निर्माण संभव है ।

कथन III : आनुवंशिक परंपरा से ही चरित्र अर्जन संभव है ।

कथन IV : उदात्त चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है ।

गद्यांश के अनुसार उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल कथन I सही है ।

(B) केवल कथन II और III सही हैं ।

(C) केवल कथन IV सही है ।

(D) केवल कथन II सही है ।

(vii) 'कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है ।' इस उदाहरण के मूल भाव को व्यक्त करने वाली कहावत है :

(A) परहित सरिस धर्म नहीं भाई

(B) बिनु सत्संग विवेक न होई

(C) सठ सुधरहिं सतसंगति पाई

(D) जहाँ सुमति तहँ संपत्ति नाना

(viii) विदुर जी की उक्ति के संदर्भ में क्या सत्य ***नहीं*** है ?

(A) सुचरित्र के बीज परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं ।

(B) चरित्र निर्माण व्यक्ति के स्वयं के प्रयासों पर निर्भर है ।

(C) परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकती है ।

(D) चरित्र निर्माण संगति से होता है ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ix) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के कथन के माध्यम से लेखक ने उल्लेख किया है :

(A) सत्संगति के प्रभाव को

(B) हजारी प्रसाद की उदारता को

(C) महाकवि टैगोर की दिव्यता को

(D) चरित्र निर्माण के प्रयासों को

(x) शिथिल चरित्र सम्पूर्ण राष्ट्र को कैसे प्रभावित करता है ?

(A) राष्ट्र शिथिल हो जाता है

(B) राष्ट्र का विकास रुक जाता है

(C) राष्ट्र का उत्थान करता है

(D) राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) यशोधर बाबू अपने मातहतों से छुट्टी के समय मनोरंजक बात क्यों करते थे ?

(A) दिनभर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करने के लिए

(B) अपने काम का भार अपने मातहतों पर डालने के लिए

(C) कर्मचारियों को देर तक दफ़्तर में रोकने के लिए

(D) कर्मचारियों और अपने बीच की दूरी समाप्त करने के लिए

(ii) "हम लोगों के यहाँ सिल्वर वैडिंग कब से होने लगी है ।" यह कथन किसके द्वारा किसे संबोधित कर कहा गया है ?

(A) यशोधर बाबू द्वारा अपने बेटे भूषण को

(B) यशोधर बाबू द्वारा अपनी बड़ी बेटी को

(C) यशोधर बाबू द्वारा अपनी पत्नी को

(D) यशोधर बाबू द्वारा चड्ढा को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) 'जूझ' कहानी के लेखक को कविता लिखने की प्रेरणा किससे मिली ?

(A) अपने पिता से

(B) अपनी माँ से

(C) न.वा. सौंदलगेकर से

(D) अपने मित्र से

(iv) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और उचित विकल्प का चयन कीजिए ।

कथन I : वसंत पाटील पढ़ने में बहुत कमजोर था ।

कथन II : वसंत पाटील आनंदा का शत्रु था ।

कथन III : वसंत पाटील कक्षा का मॉनीटर था ।

कथन IV : वसंत पाटील कक्षा बारहवीं का छात्र था ।

विकल्प :

(A) कथन I तथा II सही हैं ।

(B) कथन I, II तथा III सही हैं ।

(C) कथन III सही है ।

(D) कथन IV सही है ।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : सिंधु सभ्यता को जल-संस्कृति कहा जाता है ।

कारण : सिंधु घाटी सभ्यता पहली ज्ञात संस्कृति है जिसमें लगभग सात सौ कुएँ, नदी, स्नानागार और बेजोड़ जल निकासी की व्यवस्था है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है ।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(vi) सिंधु घाटी सभ्यता का स्वरूप था :

(A) जंगली (B) नगरीय

(C) ग्रामीण (D) कबीलाई

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(vii) वर्तमान में सिंध की खास पहचान क्या बन गया ?

(A) दाढ़ी वाले 'नरेश' की मूर्ति

(B) गुलकारी वाला दुपट्टा

(C) छापे वाला कपड़ा 'अजरक'

(D) बारीक बुनाई वाला सूती कपड़ा

(viii) पत्थर की शिला पर लिखी कविता 'जूझ' कहानी के लेखक के द्वारा कब मिटाई जाती थी ?

(A) मास्टर को दिखा देने के बाद

(B) याद हो जाने के बाद

(C) मित्रों को दिखा देने के बाद

(D) मास्टर को सुना देने के बाद

(ix) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में प्रयुक्त 'असीक का फूल' से क्या तात्पर्य है ?

(A) स्वागत के फूल

(B) आशीर्वाद के फूल

(C) माला बनाने के फूल

(D) पूजा के फूल

(x) 'जब तक बाप है तब तक मौज कर ले ।' यशोधर बाबू यह बात अपने बच्चों से कहते हैं :

(A) उन पर व्यंग्य करने के लिए

(B) उनका उत्साहवर्धन करने के लिए

(C) जिम्मेदारियों से मुक्त रखने के लिए

(D) उनके प्रति अपना प्रेम व्यक्त करने के लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती ।
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना ।

(i) कवि-कर्म की दृष्टि से 'झूमने लगे फल' का आशय है :
   (A) कृति का पूर्ण रूप ग्रहण करना
   (B) साहित्य का आनंद आना
   (C) खेतों में फ़सल लहलहाना
   (D) हृदय का प्रसन्नता से झूमना

(ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए पद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :
   (A) कविता का आनंद शाश्वत है ।
   (B) कविता का आनंद क्षणिक है ।
   (C) कविता का आनंद सीमित है ।
   (D) कविता का आनंद अल्पकाल तक है ।

(iii) काव्यांश में 'अलौकिक' से तात्पर्य है :
   (A) लौकिक
   (B) अद्भुत
   (C) अल्पज्ञ
   (D) आस्था

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : काव्यानंद जितना ही बँटता है उतना ही बढ़ता जाता है ।

कारण : साहित्य-सृजन प्राणिमात्र के मंगल के लिए है, काव्यानंद का वितरण लोक के आनंद का संवर्धन है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, कारण ग़लत है ।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(v) 'रस का अक्षय पात्र' किसे कहा गया है ?

(A) कवि हृदय को

(B) कविता पढ़ने से मिले आनंद को

(C) साहित्य को

(D) चौकोने छोटे खेत को

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

जाड़े का दिन । अमावस्या की रात – ठंडी और काली । मलेरिया और हैज़े से पीड़ित गाँव भयार्त्त शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था । पुरानी और उजड़ी बाँस-फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य ! अँधेरा और निस्तब्धता !

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी । निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी । आकाश में तारे चमक रहे थे । पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं । आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी । अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे ।

(i) गद्यांश में प्रयुक्त 'भयार्त्त' शब्द का अर्थ है :

(A) भीषण (B) भय से पीड़ित

(C) भयंकर (D) भयानक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) गद्यांश का केन्द्रीय भाव है :

(A) गाँव की प्रकृति का चित्रण

(B) गाँव की रात्रि का चित्रण

(C) भूख और महामारी से दम तोड़ रहे गाँव की दयनीय दशा का चित्रण

(D) गाँव में व्याप्त नीरवता का चित्रण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए :

(A) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती में आशा-किरण का आश्रय व्यर्थ प्रयास है ।

(B) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती आशा-निराशा के भाव में झूल रही है ।

(C) महामारी और आर्थिक तंगी से जूझती ग्राम-बस्ती में ग्रामीण एक दूसरे की सहायता कर रहे हैं ।

(D) महामारी और आर्थिक तंगी से जूझती ग्राम-बस्ती अपनी स्थिति से संतुष्ट है ।

(iv) प्रकृति को आँसू बहाते हुए क्यों दिखाया गया है ?

(A) काव्यात्मक रूप में प्रकृति सौंदर्य व्यक्त करने हेतु

(B) गाँव वालों के दुख में प्रकृति को दुखी दिखाने हेतु

(C) गाँव में व्याप्त सन्नाटे और अंधकार का वर्णन करने हेतु

(D) प्रकृति की विवशता और असमर्थता को प्रकट करने हेतु

(v) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	अमावस्या की रात – ठंडी और काली	(i)	आशा एवं जिजीविषा का अभाव
2.	प्रकाश का नाम नहीं	(ii)	पीड़ित गाँव वालों की मदद न कर पाना
3.	तारे की शक्ति और ज्योति रास्ते में ही शेष हो जाती	(iii)	निराशापूर्ण परिवेश

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(D) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशन हेतु स्वीकार करने की निश्चित समय-सीमा को कहा जाता है :

(A) ऑन लाइन (B) ऑफ लाइन

(C) डेड लाइन (D) डेथ लाइन

(ii) एच टी एम एल क्या है ?

(A) वेबसाइट (B) वेबसीरीज़

(C) वेबफ़िल्म (D) वेबभाषा

(iii) 'अख़बार की आवाज़' किसे माना जाता है ?

(A) पहले पृष्ठ पर छपे मुख्य समाचार को

(B) संपादकीय पृष्ठ पर लिखे गए संपादकीय को

(C) अर्थव्यवस्था से जुड़ी ख़बरों को

(D) अंतिम पृष्ठ पर छपे विदेशी समाचारों को

(iv) पत्रकार द्वारा साक्षात्कार लिए जाने का उद्देश्य है :

(A) समाचार, फ़ीचर, विशेष रिपोर्ट के लिए सामग्री एकत्रित करना

(B) साक्षात्कार देने वाले व्यक्ति को प्रसिद्धि दिलाना

(C) पत्रकार द्वारा अपनी विशेष योग्यता दर्शाना

(D) पत्रकार द्वारा अपनी जिज्ञासा पूरी करना

(v) टेलीविज़न के लिए समाचार या आलेख लेखन के लिए अनिवार्य है :

(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों

(B) समाचार की भाषा आंचलिक शब्दावली से युक्त हो

(C) समाचारों के बीच-बीच में दृश्य अवश्य उपस्थित हों

(D) बाइट, ग्राफिक के माध्यम से समाचारों की प्रस्तुति हो

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(ख) कवि सम्मेलन की एक शाम

(ग) विज्ञापन की दुनिया

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *2×2=4*

(i) (क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कहानीकार द्वारा विवरण के रूप में व्यक्त प्रसंगों या मानसिक द्वंद्व के दृश्यों को नाटक में किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है ?

अथवा

(ख) दृश्य-श्रव्य माध्यमों की तुलना में रेडियो नाटक की क्या-क्या सीमाएँ हैं ?

(ii) (क) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

अथवा

(ख) दूरदर्शन के संदर्भ में 'लाइव प्रसारण' से क्या तात्पर्य है ? यह प्रक्रिया किस प्रकार संभव हो पाती है ?

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) भारत में पहला छापाखाना कब, कहाँ और किस उद्देश्य से खोला गया ?

(ख) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं और अंशकालिक पत्रकार किन्हें कहते हैं तथा इन्हें अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

(ग) विशेष लेखन क्या है और यह क्यों किया जाता है ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'हो जाए न पथ में रात कहीं' – इस काव्य पंक्ति में कवि ने किस पथ की ओर संकेत किया है ? कवि ने 'रात' शब्द का प्रयोग करके कौन-सी आशंका व्यक्त की है ?

(ख) 'बात सीधी थी पर' कविता में भाषा के विषय में व्यंग्य करके कवि क्या सिद्ध करना चाहता है ?

(ग) 'आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है' पंक्ति में कौन ज़िदयाया है ? कवि ने 'ठुनक' शब्द द्वारा बाल-मनोविज्ञान के किस पक्ष का वर्णन किया है ?

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) भादों के बीत जाने पर प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने 'पतंग' कविता में दिखाया है उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) 'बादल राग' कविता से उद्धृत निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :
'तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया'

(ग) तुलसी ने 'कवितावली' के छंदों में तत्कालीन आर्थिक विषमताओं का स्वाभाविक चित्रण किया है । सिद्ध कीजिए कि तुलसी युग चितेरे कवि थे ।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) घर के अन्य सहायकों की अपेक्षा भक्तिन की महादेवी जी से अंतरंगता किस प्रकार प्रमाणित होती है ?

(ख) 'खाली मन तथा भरी जेब' से लेखक का क्या आशय है ? इन बातों से बाज़ार कैसे प्रभावित होता है ? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) "रिश्तों का बंधन हमारी बौद्धिक क्षमता, तार्किक शक्ति को कमजोर करता है ।" 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) "हाय वह अवधूत आज कहाँ है !" 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक के इस कथन से क्या संकेत मिलता है ?

(ख) 'श्रम विभाजन...मेरी कल्पना...समाज' पाठ में लेखक के अनुसार आदर्श समाज किसे माना गया है ?

(ग) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए लुट्टन पहलवान अपने पुत्रों को क्या शिक्षा दिया करता था ?

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'यशोधर बाबू पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरानी परंपरा से विशेष जुड़ाव महसूस करते हैं' – इस कथन के आलोक में यशोधर बाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'जूझ' पाठ के कथानायक को खेती के काम की अपेक्षा पाठशाला जाना क्यों अच्छा लगता था ?

(ग) "मुअनजो-दड़ो में प्राप्त वस्तुओं में औज़ार तो है, पर हथियार नहीं" कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सिंधु सभ्यता किस प्रकार की सभ्यता रही होगी ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, फरवरी-2024

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है|
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**
4. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु शामिल हैं, ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। परीक्षार्थी अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक दिए जाएँ।
5. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
6. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएंगे और गलत उत्तर पर गलत का (×) चिह्न लगाएँगे। परीक्षक द्वारा मूल्यांकन करते समय सही का चिह्न (√) न लगने पर यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
8. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
9. यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर दे दिया है, तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उसे ही स्वीकार करें। दूसरे उत्तर को “अतिरिक्त प्रश्न” टिप्पणी के साथ काट दिया जाना चाहिए।
10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उस पर एक से अधिक बार अंक न काटे जाएँ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन 20 उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं।
13. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग का अंकों और शब्दों में मेल न होना।
- उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना (सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो।)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

14. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
16. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
17. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में सही लिखा गया है।
18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है । सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार पुनः याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा फरवरी -2024

अंक योजना : हिन्दी आधार प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड अ **40 अंक**

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर)

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
1	1	2	1	अपठित बोध - गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(B) विलक्षण वैभव	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) सुसंस्कार और सत्संगति	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) दोष	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) विचारों को नई दिशा	1
	(v)	(v)	(v)	(B) दिव्यगुणों का आभास	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(C) केवल कथन IV सही है ।	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(C) सठ सुधरहिं सतसंगति पाई	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(D) चरित्र निर्माण संगति से होता है ।	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(A) सत्संगति के प्रभाव को	1
	(x)	(x)	(x)	(D) राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
2	2	1	2	अपठित बोध - पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(A) सदैव निराकांक्षी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) संसार अपनी गति से चले	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) विपत्तियों का सुखद परिस्थितियों में ढल जाना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) संघर्ष एवं दुखों से लड़ने में	1
	(v)	(v)	(v)	(B) 1(ii), 2(i), 3(iii)	1
3	3	6	3	अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(C) डेड लाइन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) वेबभाषा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) संपादकीय पृष्ठ पर लिखे गए संपादकीय को	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) समाचार, फीचर, विशेष रिपोर्ट के लिए सामग्री एकत्रित करना	1
	(v)	(v)	(v)	(A) शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों	1
				पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	
4	4	4	4	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	5X1=5
	(i)	(i)	(i)	(A) कृति का पूर्ण रूप ग्रहण करना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) कविता का आनंद शाश्वत है ।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) अद्भुत	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(D) कथन सही है तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	1

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	**2/3/2**	**2/3/3**		
5	**5**	**5**	5	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	**5X1=5**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(B) भय से पीड़ित	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(C) भूख और महामारी से दम तोड़ रहे गाँव की दयनीय दशा का चित्रण	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(A) महामारी और आर्थिक तंगी की त्रासदी से जूझती ग्राम-बस्ती में आशा-किरण का आश्रय व्यर्थ प्रयास है ।	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(B) गाँव वालों के दुख में प्रकृति को दुखी दिखाने हेतु	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(A) 1(iii), 2(i), 3(ii)	**1**
6	**6**	**3**	**6**	पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर	**10X1=10**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(A) दिनभर के शुष्क व्यवहार का निराकरण करने के लिए	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(A) यशोधर बाबू द्वारा अपने बेटे भूषण को	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(C) न.वा. सौंदलगेकर से	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(C) कथन III सही है ।	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।	**1**
	(vi)	**(vi)**	**(vi)**	(B) नगरीय	**1**
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(C) छापेवाला कपड़ा 'अजरक'	**1**
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(B) याद हो जाने के बाद	**1**
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(B) आशीर्वाद के फूल	**1**
	(x)	**(x)**	**(x)**	(A) उन पर व्यंग्य करने के लिए	**1**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				खंड - ब **(वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर)** **(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर)**	**40 अंक**
7	7	7	7	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित □ आरंभ - 1 □ विषयवस्तु - 3 □ प्रस्तुति - 1 □ भाषा - 1	6
8	8	8	8		2x2=4
	(i)(क)	-	-	□ दृश्य के माध्यम से नाटक का निजी स्वरुप धारण करना □ अगले दृश्य की पृष्ठभूमि तैयार करना	2
	अथवा (i)(ख)	-	-	□ रेडियो श्रव्य माध्यम □ कौन, किससे बात कर रहा है, देख नहीं पाते	2
	(ii)(क)	-	-	□ लेखन - भाषा के माध्यम से अपने विचारों को संकलित करके उन्हें सुन्दर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करना □ यांत्रिक हस्तकौशल क्यों नहीं - लेखन यंत्रों के माध्यम से न होकर बुद्धि, भाव और कल्पना के संयोग से होना	2
	अथवा (ii)(ख)	-	-	शैली - उल्टा पिरामिड ध्यान रखने योग्य बातें - □ छः ककारों का प्रयोग □ सीधी, सरल, शुद्ध एवं प्रभावपूर्ण भाषा □ महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे पहले, उसके पश्चात घटते क्रम में (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(i)(क)	-	□ स्वगत कथन द्वारा □ वॉइस ओवर (ऐसी ध्वनि, जो दर्शकों को सुनाई देती है, पर पात्र बोलता नहीं) द्वारा □ फ्लैश बैक शैली के प्रयोग द्वारा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	-	अथवा (i)(ख)	-	रेडियो नाटक - श्रव्य माध्यम संवादों एवं ध्वनि प्रभावों द्वारा ही श्रोताओं तक पहुँचना पत्रों की सीमित संख्या (5-20 तक) समय-सीमा 15 से 30 मिनट उचित ध्वनि प्रभावों तथा पात्रानुकूल भाषा का चयन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ii)(क)	-	'मैं' शैली का प्रयोग विषम की पूरी जानकारी अपेक्षित लेखन से पूर्व मस्तिष्क में पूर्व रूपरेखा बनाना विचारों का विषय से सुसंबद्ध तथा सुसंगत होना विषय से जुड़े तथ्यों से उचित तालमेल (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	अथवा (ii)(ख)	-	लाइव प्रसारण - घटनास्थल से किसी कार्यक्रम या घटना का सीधा प्रसारण घटनास्थल पर उपस्थित रिपोर्टर और कैमरामैन का ओ. वी. वैन के जरिए घटना को घटनास्थल से सीधे दर्शकों को दिखाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित	1+1=2
	-	-	(i)(क)	छात्रों की कल्पनाशक्ति और रचनात्मक कौशल के आधार पर दृश्य-लेखन स्वीकार्य	2
	-	-	अथवा (i)(ख)	सब कुछ संवाद और ध्वनि प्रभावों से ही व्यक्त होना पात्रों के मनोभाव, घटनाक्रम दिखाने के लिए भाव-भंगिमाओं, मंच-सज्जा, वस्त्र सज्जा का प्रयोग न कर पाना	2
	-	-	(ii)(क)	खुले मैदान की तरह सार्थक और सुसंगत विचारों की क्रमबद्ध अभिव्यक्ति 'मैं' शैली का प्रयोग लिखी गई बातों का आपस में तालमेल, खंडन नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	अथवा (ii)(ख)	सरल रूपात्मक	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• आकर्षक और मन को छूने वाली • समाचारों में प्रयुक्त होने वाली सपाटबयानी भाषा का प्रयोग नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
9	9	9	9	किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	सन् 1556 में, गोवा में, उद्देश्य -मिशनरियों द्वारा धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए	1+1+1=3
	(ख)	(ख)	(ख)	• पत्रकारों के तीन प्रकार - पूर्णकालिक, अंशकालिक और स्वतंत्र (फ्रीलांसर) • अंशकालिक पत्राचार - समाचार संगठन में निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार • अन्य नाम - स्ट्रिंगर	1+1+1=3
	(ग)	(ग)	(ग)	विशेष लेखन - मुद्रित माध्यमों में समाचारों के अलावा अन्य विषय जैसे खेल, अर्थजगत, सिनेमा, कृषि, मनोरंजन आदि विषय पर लेखन कारण - • समाचार पत्रों में विविधता • कलेवर में वृद्धि • पाठकों की सुरुचि, जिज्ञासा एवं मनोरंजन जैसे कार्य सिद्ध करने हेतु (कोई दो बिंदु अपेक्षित	1+2=3
10	10	11	10	पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	(क)	(क)	• वर्षा ऋतु का समाप्त हो जाना • शरद ऋतु के आगमन के साथ मौसम का साफ होना • सवेरे के सूरज का खरगोश की आँख जैसा लाल दिखाई देना • चमकीली धूप खिलना • वातावरण साफ-सुथरा और चमकदार होना • आकाश का बादल रहित होना • उमस का समाप्त हो जाना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	आकाश में छाए बादलों की तरह मानव जीवन में सुख-दुख का स्थाई न होना जीवन में अस्थिर सुखों पर दुख की आशंका का मंडराते रहना शोषक वर्ग को क्रांति के भय का हर समय सताना, उन्हें अपने साम्राज्य की समाप्ति तथा वैभव छिनने का डर सताना	3
	(ग)	(ग)	(ग)	तुलसी महान कवि, लोकनायक और युगद्रष्टा तत्कालीन समाज की दयनीय आर्थिक स्थिति का ज्ञान रचनाओं में समाज में फैली गरीबी, बेरोजगारी का यथार्थ बोध भुखमरी और बेरोजगारी के कारण भीख तक का न मिलना पेट की आग को शांत करने के लिए अच्छे-बुरे कर्मों को करना भूख शांत करने के लिए बच्चों को भी बेच देना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
11	11	10	11	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X2=4
	(क)	(क)	(क)	जीवन पथ की ओर संकेत आशंका - पथिक का मन आशंकित है कि कहीं मार्ग में ही रात ना हो जाए लक्ष्य एवं मंजिल तक पहुँचने से पूर्व ही अंधकार रूपी बाधाओं द्वारा मार्ग अवरुद्ध करने की आशंका (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	लोगों द्वारा पांडित्य-प्रदर्शन के चक्कर में पड़कर सहज अभिव्यक्ति को न अपनाया जाना भाषा को दुरूह और जटिल बना देना किसी बात को कहने के क्रम में भाषा को सीधे, सरल और सहज शब्दों में न कहकर तोड़-मरोड़कर, घुमा-फिराकर कहना भाषा की जटिलता के कारण कथ्य का अस्पष्ट, पेचीदा और प्रभावहीन होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	(ग)	(ग)	(ग)	बालक बाल मनोविज्ञान का पक्ष - ▯ बाल - मनोविज्ञान का सहज चित्रण ▯ बाल हठ और बच्चे के जिद्दी स्वभाव की ओर संकेत (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
12	12	12	12	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X3=6
	(क)	-	-	अप्रत्याशित अनुग्रह - सास द्वारा भक्तिन को स्वयं मायके जाने के लिए कहना लछमिन पर प्रभाव - ▯ प्रसन्नतापूर्वक मायके जाने के लिए तैयार होना ▯ नए कपड़े और गहने पहनना ▯ मायके जाने के लिए पैरों में पंख लग जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	(ख)	-	-	आशय - पैसे की ताकत के सम्मुख स्वयं को हीन समझना प्रभाव - अपने को हीन समझकर कोसना तथा व्यक्ति का अपने से धनवान संपन्न को देखकर विचलित होना अप्रभावित लोग - बाजार की चमक-दमक से तटस्थ, चूरन बेचने वाले भगत जी जैसे संतोषी, अपनी जरूरतों को पहचानने वाले लोग	1+1+1=3
	(ग)	-	-	▯ जाति प्रथा का श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिकों का भी विभाजन करना ▯ सभ्य समाज में श्रम विभाजन आवश्यक, लेकिन श्रमिकों के विभिन्न वर्गों में विभाजन अनुचित ▯ जातिप्रथा में मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में पेशा बदलने की अनुमति नहीं, जबकि श्रम विभाजन में छूट ▯ जातिप्रथा में रोजगार जन्म पर आधारित, श्रम विभाजन में व्यक्ति की योग्यता, क्षमता और रुचि पर आधारित (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	(क)	-	▯ महादेवी के द्वारा लेखन कार्य करते समय निरक्षर होने पर भी कुछ क्रियात्मक सहयोग देकर ▯ उत्तर पुस्तिकाओं को बाँधकर ▯ अधूरे चित्र को कोने में रखकर, रंग की प्याली धोकर ▯ लेखिका के पास बैठकर तथा उनके खाने-पीने का ध्यान रखकर (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	-	(ख)	-	आशय - मन में अधिकाधिक वस्तुओं की लालसा होना, किसी वस्तु को खरीदने की निश्चितता न होना तथा अपने पास पर्याप्त पैसा अर्थात पर्चेजिंग पावर का होना प्रभाव - अनावश्यक वस्तुओं का क्रय, बाजारवाद को बढ़ावा मिलना	1½+1½=3
	-	(ग)	-	कथन पूर्णतः सत्य • पाठ के संदर्भ में लेखक और जीजी के मध्य मेंढक मंडली पर पानी डाले जाने का घटनाक्रम • आर्यसमाजी संस्कारों के कारण लेखक का अंधविश्वासों का विरोध, लेखक के प्रति जीजी के प्रगाढ़ स्नेह का उसे सभी कर्मकांड करने के लिए प्रेरित करना • भावना में तर्क का स्थान न होकर विश्वास प्रमुख होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1½+1½=3
	-	-	(क)	प्रेरणा - • इंदर सेना द्वारा सामूहिक रूप से घर-घर जाकर पानी के लिए गुहार लगाकर समाज को संगठितकर काम करने की प्रेरणा प्रदान करना • लोक कल्याण की भावना का विकास कारण - • समाज को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों की ओर मोड़ सकना • समाज को संगठित होकर कार्य करने के लिए रास्ता दिखाना	1½+1½=3
	-	-	(ख)	• शिरीष और महात्मा गांधी दोनों का बाहर से कठोर एवं दृढ़, लेकिन भीतर से कोमल होना • प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अविचलित रहना • दोनों का ही लाभ-हानि से परे रहना • दोनों ही अवधूत के समान • वायुमंडल से रस खींचना तथा कालजयी अवधूत की भाँति विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(ग)	पक्षधर - जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता, गमनागमन की स्वतंत्रता, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार रखने की स्वतंत्रता	1½+1½=3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				विरोध - मनुष्य की शक्ति के सक्षम और प्रभावशाली प्रयोग के विरोध में । कारण - इसका अर्थ मनुष्य को व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता देना होगा, जिससे उन्हें दास नहीं बनाया जा सकता।	
13	13	13	13	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	2X2=4
	(क)	-	-	- ऋषियों द्वारा दान को सर्वोपरि मानना - हम जो पाना चाहते हैं, उसका पहले दान आवश्यक - त्याग की भावना से दिया गया दान ही फलीभूत - इंदर सेना पर पानी डालना पानी की बर्बादी नहीं, वरन् अर्घ्य चढ़ाना - तीस चालीस मन गेहूं उगाने के लिए पाँच-छः सेर अच्छे गेहूं की बुवाई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	-	-	- वर्तमान समय में ग्रामीण खेल और लोक कलाओं को नजर अंदाज करना - पहलवानों को पर्याप्त आदर-सत्कार न मिलना - पहलवानी के प्रति लोगों की रुचि घटना तथा आय के पर्याप्त अवसर न होना - आधुनिक खेलों द्वारा पहलवानी जैसे पारंपरिक खेलों का स्थान लेना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	कालजयी अवधूत के साथ तुलना आधार - - संन्यासी की तरह विषम परिस्थितियों में भी जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करना - भीषण गर्मी में भी अपनी सरसता बनाए रखना - संन्यासी की तरह हर मौसम में आनंदित (खिले) रहना - अजेय योद्धा की तरह कभी पराजय स्वीकार नहीं करना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	- वर्तमान समय में निजी स्वार्थ को महत्व, समाज को नहीं - महात्मा गांधी जैसे प्रेरणादायी, आत्मविश्वासी एवं मानवता की रक्षा करने वाले व्यक्ति अब नहीं	2
	-	(ख)	-	आदर्श समाज - - स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता पर आधारित	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				• समाज के बहुविधि हितों में सभी की समान भागदारी • वांछित परिवर्तन समाज के सभी वर्गों तक पहुँचना • समाज में सभी को सुरक्षा प्राप्त होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	(ग)	-	• दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोल को प्रणाम करना • ढोल की आवाज़ पर पूरा ध्यान देना • मालिक को सदैव प्रसन्न रखने की शिक्षा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2 1+1=2
	-	-	(क)	लछमिन को कारण - • लछमिन के एक के बाद एक तीन पुत्रियों को जन्म देना • पुरुष प्रधान समाज में कन्या का जन्म देने का दोषी महिला को मानना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	1. मायावीशास्त्र - बाज़ार के जादुई, आकर्षक, लुभावने रूप के लिए प्रयुक्त 2. सरासर औंधा - विपरीत होना। बाजार का उद्देश्य मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति, परंतु उसके द्वारा आवश्यकता बढ़ाना 3. अनीतिशास्त्र - ग्राहक और बेचक द्वारा परस्पर एक दूसरे की हानि में अपना लाभ देखे जाने से कपट में बढ़ोतरी (कोई दो विशेषताएँ अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	• निरीह, साधनहीन और विवश गांववालों में उत्साह का संचार • गांववालों में जिजीविषा उत्पन्न करना • विषम परिस्थितियों में भी संघर्ष करने का साहस भरना • ढोलक की आवाज से महामारी के कारण अर्धमृत, औषधि और उपचारविहीन लोगों को राहत मिलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
14	14	14	14		2X2=4
	(क)	-	-	• मातृत्व का दायित्व निभाते हुए और बच्चों का पक्ष लेते-लेते • विवाह के पश्चात बहुत अधिक आचार-विचार के बंधनों में रहने और जिम्मेदारियाँ थोपने के मलाल के कारण • पुरानी बातों को ढोंग - ढकोसला समझने के कारण • संयुक्त परिवार में रहने वाले दौर में पति द्वारा उनका पक्ष न लेने की प्रतिक्रिया स्वरूप (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ख)	-	-	• पाठशाला जाने से पूर्व ग्यारह बजे तक खेत पर काम करना • सवेरे खेत पर जाते समय ही बस्ता लेकर जाना • छुट्टी होने के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटाभर ढोर चराना • खेत में ज्यादा काम होने पर पाठशाला से अनुपस्थित रहना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(ग)	-	-	कॉलेज आफ प्रीस्ट्स - महाकुंड के उत्तर पूर्व में एक बहुत लंबी-सी इमारत को कारण - • इसकी वास्तुकला के आधार पर • इसके बीच में खुला दालान, जिसके तीन ओर बरामदे के साथ छोटे-छोटे कमरे • पुरातत्वेताओं के अनुसार धार्मिक अनुष्ठानों में ज्ञानशालाओं का सटा होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	-	(क)	-	• परंपरावादी • अपरिवर्तनशील • वर्तमान में रहते हुए भी अतीत में जीना • पुरानी जीवन शैली और विचारों का अच्छा लगना • धार्मिक प्रवृत्ति • आधुनिकता के विरोधी • किशन दा को अपना आदर्श मानना (किन्हीं दो बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)	2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
	-	(ख)	-	• कथानायक की पढ़ाई-लिखाई में अधिक रुचि होना • पढ़-लिखकर सुंदर भविष्य बनाने की कामना • खेती के काम में अधिक आय न होना • खेती में परिश्रम बहुत अधिक होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ग)	-	• ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता • राजपोषित न होकर समाज-पोषित सभ्यता • खेतीहर और पशुपालक सभ्यता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(क)	• सहकर्मियों के साथ शुष्क व्यवहार, किंतु छुट्टी के समय दफ्तर से चलते हुए कोई मनोरंजक बात करना • सहकर्मियों द्वारा की जाने वाली धृष्टता का प्रत्यक्ष विरोध न करके अनदेखा करना • किशन दा की शिक्षा के कारण दफ्तर के कर्मचारियों से अधिक मिलना-जुलना, चाय-पानी पीना, गप्प मारना पसंद नहीं (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ख)	• विषम परिस्थितियों में भी संघर्षरत रहना • खेती के कामों के साथ पढ़ाई के लिए कठिन परिश्रम करना • दृढ़ निश्चय, अडिग विश्वास • पिता की असाधारण शर्तों के बाद भी पाठशाला जाने के लिए तत्पर रहना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ग)	कहाँ - पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित कारण - दक्षिणी एशिया में बसे इस शहर को सबसे पुराना मानना • विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता • प्राचीन इतिहास की समझ बनाने में सहायक	1+1=2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in